

नूरे हिदायत फाउन्डेशन

दक्षिण एशिया के पहले मुजतहिद-समाज सुधारक आयतुल्लाहिल उज्मा मौलाना सैय्यद दिलदार अली गुफ़रानमाब की याद में बनी संस्था नूरे हिदायत फाउन्डेशन आज अपने चौदहवें साल में है। इतने कम समय में इसने न्यारे और जनहित के कामों से अपनी अनोखी पहचान बनाली है। अलहम्दुलिल्लाह यह दिन दूनी रात चौगनी तरक्की के रास्ते का राही है। कर्मठता, फायदेमन्दी और सफलता इसके पर्यार्य हो गये हैं:-

नूरे हिदायत फाउन्डेशन संस्था से ज़्यादा मिशन के रूप में काम कर रहा है जो हज़रत गुफ़रानमाब के मिशन के विस्तार के अलावा कुछ नहीं है। इसके कामों का केन्द्र भारत की इस्लामी धरोहर का ज़िन्दा करना है जिस में इसके ये विभाग काम कर रहे हैं।

1- रिसर्च सेन्टर 2- उम्दतुलउलमा लाइब्रेरी 3-रहमतमाब रीडिंग रूम 4- भारतीय शिया विश्वकोष/इन्साइक्लोपीडिया 5-ज्ञान धरोहर का संरक्षण-किताबों/ पान्डुलिपियों को डिजिटल रूप देना 6- इमादुल इस्लाम बुक डिपो 7-मदरस्सतुज्ज़हरा-लड़कियों के लिए धर्म शिक्षा केन्द्र 8- किताबों का प्रकाशन इसके साथ फाउन्डेशन का प्रिन्ट मीडिया का विभाग ये समाचार पत्र और पत्रिकाएं निकालता है :-

1- उर्दू दैनिक 'नकीब' लखनऊ 2- हिन्दी दैनिक 'राष्ट्रीय आसरा' लखनऊ 3-उर्दू साप्ताहिक 'वायज़' लखनऊ 4- हिन्दी साप्ताहिक 'दायरा' लखनऊ 5-उर्दू हिन्दी मासिक 'शुआए अमल'

इलेक्ट्रानिक प्रकाशन में फाउन्डेशन इन वेबसाइटों को चलाता है :

1-नूरे हिदायत फाउन्डेशन (www.noorehidayatfoundation.org)

2- नकीब लखनऊ (www.nageeblucknow.com)

शोशल मीडिया में फेसबुक पर नूरे हिदायत फाउन्डेशन

(<https://www.facebook.com/noorehidayatfoundationindia/>) और नकीब लखनऊ

(<https://www.facebook.com/urdunageeb/>) के नाम से मौजूद है और अपना जीवन और ताज़ापन लिख रहा है।

अपने कम संसाधन से फाउन्डेशन जनकल्याण के मैदान में भी सराहनीय काम कर रहा है। इनमें गरीब व पिछड़े भाइयों की मदद और चिकित्सकीय सहायता शामिल है।

यह भी हमारी खुशकिस्ती है कि हमें फाउन्डेशन को योग्य और कर्मठ लोगों की टीम मिली हुई है। जिसके बल पर फाउन्डेशन के सपने अच्छी तरह साकार हो रहे हैं। इसके सचिव मौलाना सैयद मुस्तफ़ा हुसैन नक्वी 'असीफ़' जायसी साहब अपनी सक्रियता से हमारे सौभाग्य के निशान हैं।

हर ख़ास आम से हमारी सविनय अपील है कि फाउन्डेशन से ज़्यादा से ज़्यादा फ़ायदा उठाये और इसकी हर तरह से मदद और समर्थन करें। हमें आयतुल्लाहिल उज्मा सैयद अली सीस्तानी, आयतुल्लाहिल उज्मा सैयद अली ख़ामिन्नी और दूसरे मरजओं की ओर से सहमे इमाम लेने की इजाज़त है।

आख़िर में पर महत्वपूर्ण बात:-खुदा से हमारी दुआ है कि वह फाउन्डेशन के प्रयासों को कबूल करें और हमारी ने तौफ़ीक में बढ़ोतरी करता रहे।

सैय्यद कल्बे जवाद नक्वी

(इमामे जुमा, लखनऊ)

संस्थापक-अध्यक्ष,

नूरे हिदायत फाउन्डेशन, लखनऊ